

## द्वितीय सेमेस्टर

CC-V

संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं संस्कृति

पूर्णांक-100

|              |   |                   |
|--------------|---|-------------------|
| खण्ड-1       | संस्कृत साहित्य का इतिहास : रामायण, महाभारत, नाटक, महाकाव्य   | 25                |
| खण्ड-2       | प्राचीन भारतीय संस्कृति :- भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ, वर्णाश्रमव्यवस्था, संस्कार, प्राचीन शिक्षाव्यवस्था | 25                |
| खण्ड-3       | नीतिशातक (भर्तृहरि) - आरंभिक 30 श्लोक   | 20                |
|              | कक्षा-परीक्षण (CIA)   | 30                |
| अंक विभाजन - | वस्तुनिष्ठ  | - 2 × 10 = 20 अंक |
|              | लघुउत्तरीय  | - 5 × 4 = 20 अंक  |
|              | दीर्घउत्तरीय  | - 10 × 3 = 30 अंक |

अनुशंसित पुस्तकें:-

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास- पं० बलदेव उपध्याय
2. संस्कृत साहित्य का समालोचनात्मक इतिहास- राम विलास चौधरी- मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास- श्री बाघस्पति गैराला- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. भर्तृहरिशातकअभ्यन- पं० ददन उपाध्याय- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. नीतिशातकम्- डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी- चौखम्बा पब्लिशिंग हाउस- दिल्ली
6. भारतीय संस्कृति- आचार्य लोकमणि दहल- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन- वाराणसी
7. प्राग्जिन भारत में शिक्षा : डॉ० इयाम विहारी पाठक- कला प्रकाशन, वाराणसी
8. भारतीय संस्कृति- डॉ० दीपक कुमार- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
9. भारतीय सभ्यता और संस्कृति का इतिहास- टी.एन.गुप्ता- न्यू भारतीय बुक कारपोरेशन, दिल्ली-7
10. भारतीय सनातन संस्कृति: विविध आयाम- हर्षनारायण- न्यू भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली-7

\*\*\*\*\*

5/4/19

5/4/19

5/4/19

5/4/19

5/4/19

| CC-VI               | पद्य काव्य  | पूर्णांक-100      |
|---------------------|---|-------------------|
| खण्ड-1              | मेघदूतम्- (उत्तरमेघ)  | 25                |
| खण्ड-2              | सौन्दरनन्द (भृष्ट एवं सप्तम सर्ग)   | 20                |
| खण्ड-3              | कुमारसम्भवम् (चतुर्थ सर्ग)  | 25                |
|                     | कक्षा-परीक्षण (CIA)   | 30                |
| अंक विभाजन -        | यस्तुनिष्ठ  | - 2 × 10 = 20 अंक |
|                     | लघुउत्तरीय  | - 5 × 4 = 20 अंक  |
|                     | दीर्घउत्तरीय  | - 10 × 3 = 30 अंक |
| अनुशंसित पुस्तकें:- |   |                   |
| 1.                  | मेघदूत (कालिदास)- सम्पा०- शोभाज शर्मा वैष्णवी - चौखम्बा पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।                       |                   |
| 2.                  | Meghaduta- K.B. Pathak, Chowkhamba Publishing House, Delhi  |                   |
| 3.                  | मेघदूतम्- डॉ० दत्तात्रेय शास्त्री - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी                                 |                   |
| 4.                  | सौन्दरनन्दमहाकाव्यम्- आचार्य जगदीशचन्द्र मिश्र- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी                     |                   |
| 5.                  | सौन्दरनन्दम् : साहित्यिक एवं दार्शनिक गवेषणा- डॉ० ब्रजमोहन पाण्डेय- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी |                   |
| 6.                  | मेघदूत की प्रमुख टीकाओं का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ० (श्रीमती) कुमुकुम जिंदल- नाग पब्लिशर्स, दिल्ली      |                   |
| 7.                  | कुमारसम्भवम्- जगदीश लाल शास्त्री- मोतीलाल बनारसीदास, पटना-04  |                   |
| *****               |   |                   |

5-4-19

5-4-19

05/4/19

5-4-19

5/4/19

CC-VII

वैदिक साहित्य का इतिहास

पूर्णांक-100

|                         |  |                   |
|-------------------------|--|-------------------|
| खण्ड-1                  | वैदिक साहित्य का इतिहास(संहिताओं के काल एवं प्रतिपाद्य विषय) | 25                |
| खण्ड-2                  | ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदान्तों का परिचय             | 20                |
| खण्ड-3                  | वेदों के भाष्यकार  | 25                |
|                         | कक्षा-परीक्षण (CIA)  | 30                |
| अंक विभाजन - वस्तुनिष्ठ | -  | 2 × 10 = 20 अंक   |
|                         | सधु उत्तरीय  | - 5 × 4 = 20 अंक  |
|                         | दीर्घ उत्तरीय  | - 10 × 3 = 30 अंक |

अनुरक्षित पुस्तकें:-

1. वैदिक साहित्य और संस्कृति: पी० बलदेव उपाध्याय
2. वैदिक साहित्य का इतिहास- कर्ण सिंह- साहित्य भण्डार, मेरठ
3. वैदिक साहित्य का समालोचनात्मक इतिहास- राम विलास चौधरी - मोतीलाल बनारसीदास, पटना
4. वेद-उपनिषद्- दामोदर महतो, टी.एम.बी.यू., भागलपुर
5. वैदिक साहित्य का इतिहास- डॉ० पारसनाथ द्विवेदी- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
6. वैदिक साहित्य इतिहास: आचार्य जगदीशचन्द्र मिश्र - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
7. वेद मीमांसा (श्री अनिरुवाण)- अनु०- छविनाथ मिश्र, माय पब्लिशर्स, दिल्ली

\*\*\*\*\*

5/4/19

5/4/19

5/4/19

5/4/19

5/4/19

CC-VIII

सप्तकाव्य

पूर्णांक-100

|              |   |   |        |          |
|--------------|---|---|--------|----------|
| खण्ड-1       | कादम्बरी (महाश्वेताविलापवर्णनम्)            |   |        | 25       |
| खण्ड-2       | दशकुमारचरितम्- (पूर्वपीठिका-प्रथम उच्छ्वास) |   |        | 25       |
| खण्ड-3       | नलचम्पू (प्रथम उच्छ्वास)                    |   |        | 20       |
|              | कक्षा-परीक्षण (CIA)                         |   |        | 30       |
| अंक विभाजन - | वस्तुनिष्ठ                                  | - | 2 × 10 | = 20 अंक |
|              | लघुउत्तरीय                                  | - | 5 × 4  | = 20 अंक |
|              | दीर्घउत्तरीय                                | - | 10 × 3 | = 30 अंक |

अनुरक्षित पुस्तकें:-

1. दशकुमारचरितम् (पूर्वपीठिका)- राजकिशोर सिंह, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ-226020
2. दशकुमारचरितम् (पूर्वपीठिका)- कृष्ण कुमार मिश्र, साहित्यमण्डल, मेरठ-250002
3. कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त)- कृष्णमोहन शास्त्री, चौखम्बा ऑरियन्टलसिया, वाराणसी
4. दशकुमारचरित (पूर्व पीठिका)- पं० कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त)- प्रद्युम्न पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
6. कादम्बरी : एक सांस्कृतिक अध्ययन- डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
7. नलचम्पू (प्रथम उच्छ्वास)- धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, पटना
8. नलचम्पू - श्री परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

\*\*\*\*\*

5/4/19  
 5/4/19  
 5/4/19  
 5/4/19  
 5/4/19  
 5/4/19  
 5/4/19

| CC-IX               | रूपक   | पूर्णांक-100      |
|---------------------|--|-------------------|
| खण्ड-1              | मृच्छकटिकम् (1-5 अंक)  | 30                |
| खण्ड-2              | मुद्राराक्षस (I-II अंक)  | 20                |
| खण्ड-3              | उत्तररामचरितम् (I-III अंक)   | 20                |
|                     | कक्षा-परीक्षण (CIA)  | 30                |
| अंक विभाजन -        | वस्तुनिष्ठ   | - 2 × 10 = 20 अंक |
|                     | सम्युत्तरीय  | - 5 × 4 = 20 अंक  |
|                     | दीर्घउत्तरीय   | - 10 × 3 = 30 अंक |
| अनुरासित पुस्तकें:- |  |                   |
| 1.                  | मृच्छकटिकम्- तारिणीश झा- प्रकाशन केंद्र, लखनऊ-226020   |                   |
| 2.                  | मृच्छकटिकम्- श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य मण्डार, मेरठ- 250002  |                   |
| 3.                  | मृच्छकटिकम्- श्री जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी                                    |                   |
| 4.                  | मुद्राराक्षसनाटकम्- श्री जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी                                    |                   |
| 5.                  | मुद्राराक्षसनाटकम्- श्री परमेश्वरदीन पाण्डेय एवं श्री जयनिकुमार पाण्डेय- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी |                   |
| 6.                  | उत्तररामचरितम्- किशोरनाथ झा, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ  |                   |
| 7.                  | उत्तररामचरितम्- डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी                                   |                   |
| *****               |  |                   |

5/4/19  
 5/4/19  
 5/4/19  
 5/4/19  
 5/4/19